॥ श्री सन्तानगणपतिस्तोत्रम् ॥

(स्वामी रूपेश्वरानन्द आश्रम द्वारा संशोधित)

श्रीगणेशाय नमः ।

नमोऽस्तु गणनाथाय सिद्धिबुद्धियुताय च ।

सर्वप्रदाय देवाय पुत्रवृद्धिप्रदाय च ॥ १॥

गुरुदराय गुरवे गोप्त्रे गुह्यासिताय ते ।

गोप्याय गोपिताशेषभुवनाय चिदात्मने ॥२॥

विश्वमूलाय भव्याय विश्वसृष्टिकराय ते ।

नमो नमस्ते सत्याय सत्यपूर्णाय शुण्डिने ॥ ३॥

एकदन्ताय शुद्धाय सुमुखाय नमो नमः ।

प्रपन्नजनपालाय प्रणतार्तिविनाशिने ॥ ४॥

शरणं भव देवेश सन्ततिं सुदृढा कुरु।

भविष्यन्ति च ये पुत्रा मत्कुले गणनायक ॥ ५॥

ते सर्वे तव पूजार्थं निरताः स्युर्वरोमतः ।

पुत्रप्रदमिदं स्तोत्रं सर्वसिद्धिप्रदायकम् ॥ ६॥

इति सन्तानगणपतिस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

सिद्धि विधान:

- **साधना आरंभ:** भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि अथवा किसी भी माह की चतुर्थी तिथि या किसी भी बुधवार से।
- **समय:** प्रातः सूर्योदय, दोपहर अथवा रात्रि।
- **पाठ संख्या:** 11, 21, 51, 108 अथवा यथाशक्ति)
- **दिन:** 11, 21, 41 दिन (दिन कम करने हो तो अधिक संख्या में पाठ करें)
- **भोग:** घर में बनी शुद्ध मिठाई (लड्डू) अथवा सात्विक भोजन।
- **दिशा:** प्रातः काल में पूर्व या उत्तर और रात्रि काल में पश्चिम।
- **वस्त्र:** लाल अथवा कोई भी।
- **आहार:** पूर्ण रूप से सात्विक भोजन सामान्य रहेगा इसमें लहसुन प्याज़ के सेवन से भी दूर रहना चाहिए। रात्रि भोजन का त्याग करें साधना काल में।
- **संकल्प एवम् संक्षिप पूजन:** षट्कर्म के उपरांत अपने गुरु एवं इष्ट का ध्यान करें एवं संकल्प बोलें। गणेश जी का संक्षिप्त पूजन करें धुप, दीप, पुष्प भोग आदि अर्पित करें।
- पाठ समाप्त होने पर क्षमा प्रार्थना करें।
- **पाठ संख्या:** यह स्तोत्र 1000 पाठ करने से सिद्ध होता है। विशेष सिद्धि के लिए 10000 पाठ कर सकते हैं।

स्वामी रुपेश्वरानंद आश्रम, बलुआ , जिला - चंदौली (उत्तर प्रदेश)
Mobile No. : 7607 233 230 https://swamirupeshwaranand.in/